गणतंत्र दिवस परेड में उत्तर प्रदेश की झाँकी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश की [गणतंत्र दिवस](#) झाँकी में प्रयागराज में चल रहे **महाकुंभ का उत्सव मनाया गया, जिसमें ' समुद्र मंथन', 'अमृत कलश' और [संगम](#) तट** पर स्नान करते संतों को दर्शाया गया।

//

मुख्य बिंदु

- **मुख्य विषय एवं केंद्र:**
  - [76वें गणतंत्र दिवस समारोह](#) का मुख्य आकर्षण **संविधान लागू होने के पूरे 75 वर्ष,** रहा।
  - इस झाँकी का थीम या विषय **'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' था,** जो भारत की विरासत और प्रगति पर प्रकाश डालता है।
- **उत्तर प्रदेश की झाँकी की मुख्य विशेषताएँ:**
  - झाँकी में **महाकुंभ 2025 की भव्यता को दर्शाया गया तथा विरासत और विकास के संगम का** चित्रण किया गया।
  - आगे की ओर झुका हुआ एक प्रमुख **'अमृत कलश' पवित्र 'अमृतधारा' के प्रवाह का प्रतीक है।**
  - ऋषियों और मुनियों को शंख बजाते, संगम पर स्नान करते और ध्यान करते हुए दर्शाया गया है, जबकि भक्तगण **[गंगा](#), [यमुना](#)** और प्राचीन [सरस्वती](#) के **पवित्र जल** में डुबकी लगाते हैं।
- **पौराणिक एवं सांस्कृतिक चित्रण:**
  - झाँकी में **'समुद्र मंथन'** की पौराणिक कथा का जीवंत चित्रण किया गया, जो महाकुंभ के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व का प्रतीक है।
  - पीछे की ओर **समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों को कलात्मक ढंग से दर्शाया गया।**
- **महाकुंभ 2025 की तकनीकी विशेषताएँ:**
  - झाँकी में कुंभ में कुशल सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिये एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (ICCC) के माध्यम से तकनीकी प्रगति पर ज़ोर दिया गया है।
  - यह विशाल सभा के प्रबंधन के लिये **अत्याधुनिक डिजिटल तैयारियों** पर प्रकाश डालता है।

गणतंत्र दिवस

- गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 1950 को भारत के संविधान को अपनाने तथा देश के गणतंत्र में परिवर्तन की याद में मनाया जाता है, जो 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी हुआ।
  - संविधान को **भारत की संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949** को अपनाया गया तथा 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया।

भारतीय संविधान ने 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी होने पर **भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 और भारत सरकार अधिनियम 1935 को निरस्त कर दिया।** भारत ब्रिटिश राज का अधिराज्य नहीं रहा और **संविधान सहित एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-tableau-at-republic-day-parade